Narasingh Kunwar Ki Aarti Lyrics in Hindi English

Narasingh Kunwar Ki Aarti Lyrics in Hindi

आरती कीजै नरसिंह कुंवर की ।
वेद विमल यश गाउँ मेरे प्रभुजी ॥

पहली आरती प्रह्लाद उबारे ।
हिरणाकुश नख उदर विदारे ॥

दुसरी आरती वामन सेवा ।
बल के द्वारे पधारे हरि देवा ॥

तीसरी आरती ब्रह्म पधारे ।
सहसबाहु के भुजा उखारे ॥

चौथी आरती असुर संहारे ।
भक्त विभीषण लंक पधारे ॥

पाँचवीं आरती कंस पछारे ।
गोपी ग्वाल सखा प्रतिपाले ॥

तुलसी को पत्र कंठ मणि हीरा ।
हरषि-निरखि गावे दास कबीरा ॥

Narasingh Kunwar Ki Aarti Lyrics in English

Aarti Keejai Narsingh Kunwar Ki,
Veda Vimal Yash Gaun Mere Prabhuji.

Pehli Aarti Prahlad Ubaare,
Hirankush Nakh Udar Vidare.

Dusri Aarti Vaman Seva,
Bal Ke Dware Padhare Hari Deva.

Teesri Aarti Brahma Padhare,
Sahasbaahu Ke Bhujha Ukhaare.

Chouthi Aarti Asur Sanhaare,
Bhakt Vibhishan Lanka Padhare.

Paanchvi Aarti Kans Pachaare,
Gopi Gwal Sakha Pratipale.

Tulsi Ko Patra Kanth Mani Heera,
Harshi-Nirakhi Gaave Daas Kabira.

About Narasingh Kunwar Ki Aarti in English

“Narasingh Kunwar Ki Aarti” is a devotional hymn dedicated to Lord Narasimha, the fierce incarnation of Lord Vishnu. This aarti celebrates the power, strength, and protection that Lord Narasimha bestows upon his devotees. Narasimha, with the body of a man and the head of a lion, is known for his divine intervention to protect his devotee Prahlad and destroy the demon king Hiranyakashipu.

The aarti begins by praising the divine qualities of Lord Narasimha, acknowledging his ability to destroy evil and protect the righteous. It highlights how he saved his devotee Prahlad from the cruel hands of his father Hiranyakashipu, symbolizing his role as the protector of devotees. Each stanza of the aarti refers to various forms and avatars of Lord Narasimha and the victories he achieved.

The hymn also mentions Lord Narasimha’s other divine acts, including his protection of Vibhishan and his defeat of various demons. It portrays his role in restoring dharma (righteousness) and punishing adharma (evil). The aarti concludes by emphasizing the devotion and gratitude of the devotee, who, like the poet Sant Kabir, sings the praises of Lord Narasimha with love and reverence, seeking his blessings for protection and spiritual growth.

About Narasingh Kunwar Ki Aarti in Hindi

“नरसिंह कुंवर की आरती” भगवान नरसिंह की महिमा का बखान करने वाला एक प्रसिद्ध भक्ति गीत है। यह आरती भगवान नरसिंह के रूप और उनके द्वारा की गई दिव्य लीला का उल्लेख करती है। भगवान नरसिंह, जो भगवान विष्णु का अर्धमानव और अर्धशेर रूप हैं, ने अपने भक्त प्रह्लाद की रक्षा के लिए दानव राक्षस हिरण्यकश्यपु का वध किया था। इस आरती में भगवान नरसिंह के उस रूप की पूजा की जाती है, जो अत्यंत क्रूर होने के बावजूद भक्तों के प्रति अपनी असीम दया और प्रेम दर्शाता है।

आरती की शुरुआत भगवान नरसिंह के अद्वितीय रूप की सराहना करते हुए होती है, जिसमें उन्हें प्रह्लाद के उद्धारक और हिरण्यकश्यपु के संहारक के रूप में पूजा जाता है। आरती के विभिन्न चरणों में भगवान नरसिंह के अन्य रूपों और उनके द्वारा किए गए महान कार्यों का उल्लेख किया जाता है, जैसे वामन अवतार, असुरों का संहार, और भक्त विभीषण की सहायता करना।

यह आरती भगवान नरसिंह के प्रति भक्तों की श्रद्धा और भक्ति को व्यक्त करती है और भगवान से आशीर्वाद की प्रार्थना करती है कि वे भक्तों के जीवन से सभी विघ्नों और दुखों को दूर करें।